VIDYASAGAR UNIVERSITY

Curriculum for 3-year B.A (Honours)

Hindi

Revised Syllabus under CBCS
(w. e. f. 2022-2023)

Vidyasagar University
Midnapore 721102
West Bengal

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17, Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

VIDYASAGAR UNIVERSITY

B.A (Honours) in Hindi

Under Choice Based Credit System (CBCS)

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks		
	SEMESTER – I							
1ST YEAR	1st Semester	CC – 1	C1T: हिन्दी साहित्य : आदिकाल से पूर्व मध्यकाल - रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 2	C2T: हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		GE – 1	*TBD (from other discipline)*	6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		AECC –1	English/MIL	2	1-1-0	10	40	50
		SEMESTER – I : TOTAL		20				275
	SEMESTER – II							
	2nd Semester	CC – 3	C3T: हिन्दी साहित्य : भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक – रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 4	C4T: हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		GE – 2	*TBD (from other discipline)*	6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		AECC - 2	Environmental Studies	4		20	80	100
		SEMESTER – II : TOTAL		22				325

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2023 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

VIDYASAGAR UNIVERSITY

B.A (Honours) in Hindi

Under Choice Based Credit System (CBCS)

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks		
2nd YEAR	SEMESTER – III							
	3rdSemester	CC – 5	C5T:कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 6	C6T:हिन्दी नाट्यसाहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 7	C7T:कथेतर गद्य साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		SEC – 1	SEC 1T: अनुवाद कौशल	2	1-1-0	10	40	50
		GE – 3	*TBD (from other discipline)*	6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		SEMESTER – III : TOTAL		26				350
	SEMESTER – IV							
	4thSemester	CC – 8	C8T:हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 9	C9T:हिन्दी आलोचना	6	5-1-0	15	60	75
		CC - 10	C10T:हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान	6	5-1-0	15	60	75
		SEC – 2	SEC 1T: कार्यालयी हिन्दी 2 1-1-0 10	2	1-1-0	10	40	50
		GE – 4	*TBD (from other discipline)*	6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		SEMESTER – IV : TOTAL		26				350

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2023 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

VIDYASAGAR UNIVERSITY

B.A (Honours) in Hindi

Under Choice Based Credit System (CBCS)

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks		
3rd YEAR	SEMESTER – V							
	5th Semester	CC – 11	C11T: भारतीय काव्यशास्त्र	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 12	C12T: पाश्चात्य काव्यशास्त्र	6	5-1-0	15	60	75
		DSE - 1	DSE1T: लोक साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		DSE – 2	DSE2T:राष्ट्रीय चेतना की कविता	6	5-1-0	15	60	75
		SEMESTER – V : TOTAL		24				300
	SEMESTER – VI							
	6th Semester	CC – 13	C13T: मीडिया के विविध आयाम	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 14	C14T: प्रयोजनमूलक हिन्दी	6	5-1-0	15	60	75
		DSE – 3	DSE3T:राजभाषा हिन्दी	6	5-1-0	15	60	75
		DSE – 4	DSE4T:प्रवासी साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		SEMESTER – VI : TOTAL		24				300
TOTAL IN ALL SEMESTER				142				1900

CC - Core Course**, GE** - Generic Elective**, DSE** - Discipline Specific Elective**, SEC** - Skill Enhancement Course**, AECC** - Ability Enhancement Compulsory Course**, CA –** Continuous Assessment, **ESE –** End Semester Examination**, TBD –** To be decide**, CT –** Core Theory**, CP-** Core Practical**, L** - Lecture**, T –** Tutorial**, P –** Practical**, MIL –** Modern Indian Language**, ENVS** - Environmental Studies.

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2023 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

List of the Core Course (CC)

CC-1 : हिन्दी साहित्य - आदिकाल से पूर्व मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास
CC-2 : हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास
CC-3 : हिन्दी साहित्य - भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक – रचनाएँ व इतिहास
CC-4 : हिन्दी साहित्य - प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास
CC-5 : कथा साहित्य - कहानी एवं उपन्यास
CC-6 : हिन्दी नाट्यसाहित्य
CC-7 : कथेतर गद्य साहित्य
CC-8 : हिन्दी साहित्य का इतिहास
CC-9 : हिन्दी आलोचना
CC-10 : हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान
CC-11 : भारतीय काव्यशास्त्र
CC-12 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
CC-13 : मीडिया के विविध आयाम
CC-14 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

Discipline Specific Elective (DSE)

DSE-1 : लोक साहित्य
DSE-2 : राष्ट्रीय चेतना की कविता
DSE-3 : राजभाषा हिन्दी
DSE-4 : प्रवासी साहित्य

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC-1 : अनुवाद कौशल
SEC-2 : कार्यालयी हिन्दी

Generic Elective (GE)

(Interdisciplinary for the other Department)

GE-1 : साहित्य और सिनेमा
GE-2 : लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी
GE-3 : सृजनात्मक लेखन
GE-4 :पटकथा और संवाद लेखन

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

MIL (Hindi) : हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

Core Course (CC)

CC -1: हिन्दी साहित्य - आदिकाल से पूर्व मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास **Credits - 06**

C-1T: हिन्दी साहित्य - आदिकाल से पूर्व मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास **Credits - 06**

Course Contents:

- हिन्दी के इतिहास का काल विभाजन
- आदिकाल का नामकरण, परिस्थितियाँ एवं प्रवृतियाँ
- रासो काव्य परंपरा
- जैन साहित्य, नाथ साहित्य
- भक्ति काव्य और उसका वर्गीकरण
- निर्गुण भक्ति काव्य : स्वरूप एवं प्रवृतियाँ
- सगुण भक्ति काव्य : स्वरूप एवं प्रवृतियाँ

आदिकाल से पूर्व मध्यकाल प्रमुख कवि और रचनाएँ

- **विद्यापति : विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह**
  - (क) माधव, बहुत मिनति कर तोय।
  - (ख) सैसव-जौवन दुहु मिलि गेल , स्रवनक पथ दुहु लोचन लेल।
  - (ग) कुंज-भवन सँ चलि भेलि हे , रोकल गिरधारी।
  - (घ) नव वृन्दावन नवनव तरुगन , नव नव विकसित फूल।
  - (ङ) मधुपुर मोहन गेल रे , मोरा बिदरत छाती।
- ***कबीर :कबीर ग्रंथावाली : श्यामसुन्दर दास***
- ***पद :***
  - (क) चलन चलन सब को कहत है , नाँ जाँननौं बैकुंठ कहाँ है।
  - (ख) माया तजूँ तजी नहीं जाइ , फिर फिर माया मोहि लपटाइ।
  - (ग) मन रे तन कागद का पुतला।
  - (घ) हरि जननी मैं बालिक तेरा , काहे न औगुण बकसहु मेरा।
- ***दोहे***
  - (क) सतगुरु की महिमा अनंत।
  - (ख) ऐसी बाँणी बोलिये , मन का आपा खोइ।
  - (ग) सुखिया सब संसार है , खाये अरू सोवै।
  - (घ) माया तजी तौं का भाया , मानि तजी नहीं जाइ।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

- **सूरदास : भ्रमरगीत सार – सं॰ रामचंद्र शुक्ल**
  - (क) आयो घोष बड़ो व्यापारी
  - (ख) अखिया हरि दरसन को भूखी
  - (ग) अलि हो ! कैसे कहाँ
  - (घ) निर्गुन कौन देस को बासी
  - (ङ) उधो ! ब्रज की दशा विचारो
- **तुलसीदास :विनयपत्रिका : तुलसीदास**
  - (क) ऐसी मूढ़ता या मन की।
  - (ख) जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे।
  - (ग) अबलों नसानी अब न नसैहों।
  - (घ) ऐसे को उदार जग माहीं।
  - (ङ) जाके प्रिय न राम बैदेही।
- **मीराबाई : मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी**
  - (क) मण थें परस हरि रे चरण।
  - (ख) हेरी म्हा दरद दिवाणा म्हाराँ दरद न जाण्यां।
  - (ग) महारा री गिरधर गोपाल दूसरा णा कूया।
  - (घ) पतियां मैं कैसे लिखूं, लिख्योरी ण जाय।
  - (ङ) भज मण चरण कवल अवणासी।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ गणपति चन्द्र गुप्त
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ बच्चन सिंह
9. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
10. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
11. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
12. हिन्दी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
13. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
14. कबीर – स. विजेन्द्र स्नातक

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

15. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
16. सूरदास – ब्रजशेखर वर्मा
17. तुलसी-काव्य-मीमासा -स. उदयभानु सिंह
18. मीरा का काव्य – डॉ . विश्वनाथ त्रिपाठी

CC – 2: हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास **Credits – 06**

C-2T: हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास **Credits – 06**

Course Contents:

- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिकालीन परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
- रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रवृतियाँ
- रीतिकालीन प्रमुख कवि और रचनाएँ
- **बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'**
  - (क) मेरी भव-बाधा हरौ , राधा नागरि सोइ ।
  - (ख) तो पर वारौं उरबसी , सुनि राधिके सुजान ।
  - (ग) कहत , नटत , रीझत , खिझत , मिलत , खिलत , लजियात ।
  - (घ) नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल ।
  - (ङ) मंगल बिन्दु सुरंगु , मुख ससि , केसरि आड़ गुरु ।
  - (च) तंत्री- नाद , कवित्त -[illegible] , [illegible] , [illegible]-[illegible]
  - ([illegible]) या अनुरागी चित्त की गति समुझौ नहिं कोइ ।
  - ([illegible]) [illegible] , [illegible]
  - ([illegible]) [illegible]-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ [illegible]
  - ([illegible]) [illegible], [illegible]
- **घनानन्द:धनानंद कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
  - ([illegible]) [illegible]
  - ([illegible]) [illegible]
  - ([illegible]) [illegible], [illegible]
  - ([illegible]) रावरे रूप की रीति अनूप ।
  - ([illegible]) अति सूधो स्नेह को मारग है ।
- **भूषण : भूषण ग्रंथवाली**
  - ([illegible]) साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि ।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

(ख) बाने फहराने छहराने घंटा गजन के
(ग देवल गिरावते फिरावते मिशान अलि
([illegible]) वेद राखे विदित पुराण परसिद्ध राखे।
(ङ ऊँचे घोर मदर केअंदर राहनवारी

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
3. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – [illegible]
4. हिन्दी गीतकाव्य परम्परा और मीरा – डॉ मंजू तिवारी
5. रीतिकाव्य संग्रह – जगदीश गुप्त

CC -3: हिन्दी साहित्य - भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक - रचनाएँ व इतिहास

Credits- 06

C-3T: हिन्दी साहित्य - भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक - रचनाएँ व इतिहास

Credits- 06

Course Contents:

भातेन्दु युग (नवजागरण)

- भातेन्दु पूर्वकाव्य धारा (पीठिका)
- भातेन्दुयुगीन परिवेश: सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवेश
- भातेन्दु युगीन काव्यधारा : सामाजिक चेतना, भक्ति भावना, शृंगार प्रेयता, प्रकृति प्रेम, राष्ट्रीय चेतना, समस्यापूर्ति, हास्य आदि।
- **भातेन्दु युगीन कवि और रचनाएँ :**
- भारतेन्दु : निजभाषा उन्नति अहै ।

द्विवेदीयुग : जागरण – सुधार काल

- द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ : राष्ट्रीयता, मानवता, नीति और आदर्श,
  वर्ण्य विषयों में विविधता और क्षेत्र विस्तार,
  हास्य-व्यंग्य संबंधी काव्य, विभिन्न काव्य रूपों काप्रयोग,
  छंद वैविध्य, भाषा सौष्ठव आदि।
- **द्विवेदीयुगीन कवि और रचनाएँ :**

VIDYASAGAR UNIVERSITY, MIDNAPORE, WEST BENGAL

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : प्रार्थना।
- □□लीशरण गुप्त : □□□□ □□ □□□□□ □

छायावादी युग

- □□□□□□ : नामकरण का आधार और परिवेश
- छायावाद युगीन कविता की प्रमुख धाराएँ एवं प्रवृतियाँ

छायावादी युगीन राष्ट्रीय – सांस्कृतिक कावयधारा के प्रमुख कवि

- माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

राष्ट्रीय सासंकृतिक काव्यधारा की रचनाएँ

- जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंगशृंग से□,पेशोला की प्रतिध्वनि ।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : तोड़ती पत्थर , भिक्षुक।
- सुमित्रा नन्दन पंत : □□□□ □□□□□, □□□ □
- महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली , □□□-धीरे उतर क्षितिज से।

❖ **सन्दर्भ ग्रंथ :**

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण : डॉ रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : डॉ रामविलास शर्मा
3. □□□□□□ की समस्याएँ : डॉ रामविलास शर्मा
4. जयशंकर प्रसाद – नन्दुलारे वाजपेयी
5. मैथिलीशरण गुप्त :पुनर्मूल्यांकन – नगेन्द्र
6. निराला की साहित्य साधना (भाग-2) – रामविलास शर्मा
7. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल
8. जयशंकर प्रसाद – प्रेमशंकर
9. □□□□□ : आत्महंता आस्था – □□□□□ □□□
10. □□□□□□ – □□□□□ □□□
11. □□□□□- परमानंद श्रीवास्तव

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf

CC -4: हिन्दी साहित्य - प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास **Credits - 06**

C-4T: हिन्दी साहित्य - प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास **Credits - 06**

Course Contents:

- छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य और छायावादोत्तर कविता की भूमिका।
- छायावादोत्तर काव्य धारा : प्रमुख प्रवृतियाँ
- प्रगतिवादी काव्य धारा प्रमुख कवि और प्रवृतियाँ
- प्रयोगवादी काव्य धारा प्रमुख कवि और प्रवृतियाँ
- [illegible] : ऐतिहासिक परिदृश्य, काव्य प्रवृतियाँ और प्रमुख कवि
- समकालीन कविता के प्रमुख कवि और रचनाएँ
- नागार्जुन : [illegible], [illegible]न की बंद[illegible]
- अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की।
- [illegible] : [illegible], [illegible]
- केदारनाथ अग्रवाल: [illegible]

❖ <u>**सहायक ग्रंथ**</u>

1. कविता के नए प्रतिमान – [illegible]
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन काव्य यात्रा – नन्दकिशोर नवल
5. [illegible] : [illegible]
6. [illegible] : स्वरूप और समस्याएँ - जगदीश गुप्त
7. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा
9. नागार्जुन की कविता– अ[illegible]
10. नागार्जुन का रचना-[illegible]- [illegible]
11. नई कविता और उसका मूल्यांकन - सुरेशचंद्र सहल
12. नागार्जुन: मूल्यांकन/ पुनर्मूल्यांकन – [illegible]परमानन्द श्रीवास्तव

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

CC-5: कथा साहित्य- कहानी एवं उपन्यास **Credits - 06**

C-5T: कथा साहित्य- कहानी एवं उपन्यास **Credits - 06**

Course Contents:

कहानी

- [illegible] : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- [illegible] : प्रेमचंद
- पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
- [illegible] : [illegible]
- [illegible] : अज्ञेय
- मैं हार गयी : मन्नू भ[illegible]

उपन्यास

- [illegible] : प्रेमचंद
- [illegible] : श्रीलाल शुक्ल
- पचपन खंबे लाल दीवारें : ऊषा प्रियंबदा

❖ **<u>सहायक ग्रंथ :</u>**

1. [illegible] : [illegible] – [illegible]
2. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
3. हिन्दी कहानी का इतिहास – ग[illegible]
4. हिन्दी कहानी : अं[illegible] – रामदरश मिश्र
5. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा – परमानंद श्रीवास्तव
6. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
7. [illegible] – विश्वनाथ त्रिपाठी
8. हिन्दी कहनी का का[illegible] - [illegible]
9. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा यात्रा – रामदरश मिश्र
10. प्रेमचंद – [illegible]. सत्येन्द्र
11. उपन्यास का शिल्प – ग[illegible]
12. हिन्दी उपन्यास की विकास - मधुरेश

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

CC-6: हिन्दी नाट्यसाहित्य **Credits – 06**

C-6T: हिन्दी नाट्यसाहित्य **Credits – 06**

Course Contents:

नाटक

- [illegible] : भारतेंदु हरिश्चंद्र
- [illegible] : [illegible]
- आठवाँ सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा

एकांकी

- [illegible] : रामकुमार वर्मा
- [illegible] : उपेन्द्रनाथ अश्क

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – सं. [illegible]
2. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – [illegible]
3. प्रसाद के नाटक : स्वरूप [illegible] – गोविन्द चातक
4. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
5. नई रंगचेतना और हिन्दी नाटककार – [illegible]
6. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
7. एकांकी कला – [illegible]. रामकुमार वर्मा
8. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – [illegible] जगन्नाथ शर्मा

CC-7: कथेतर गद्य साहित्य **Credits – 06**

C-7T: कथेतर गद्य साहित्य **Credits – 06**

Course Contents:

- निबंध की परिभाषा : स्वरूप एवं वैविध्य

❖ **निबंध**

- [illegible]क्रिया : रामचन्द्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

- ये हैं प्रोफेसर शशांक : विष्णुकांत शास्त्री
- पगडंडियों का जमाना : हरिशंकर परिसाई

❖ जीवनी की परिभाषा : स्वरूप एवं वैशिष्ट्य

❖ कथेतर गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ : डा□□, रेखाचित्र, पत्र·□□□, रिपोतार्ज

❖ **सहायक ग्रंथ:**

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप-विलेष□ – विनीता अग्रवाल
3. हिन्दी निबंध उद्भव और विकास - हरिचरण शर्मा
4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य का साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी

CC– 8: हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास **Credits - 06**

C-8T: हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास **Credits - 06**

Course Contents:

- हिन्दी कथा साहित्य का□□□□ : भारतेन्दु से अद्यतन।
- हिन्दी नाट्य साहित्य का वि□□ : भारतेन्दु से अद्यतन।
- हिन्दी निबंध साहित्य का विका□ : भारतेन्दु से अद्यतन।
- हिन्दी की कथेतर विधाओं का वि□□: □□□□, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत]

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. भारतेंदु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
2. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचद्र तिवारी
3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. आधुनिक साहित्य – नंददु□□□□□□□
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपति चंद्र गुप्त

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

CC–9: हिन्दी आलोचना **Credits - 06**

C–9T: हिन्दी आलोचना **Credits - 06**

Course Contents

- हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि ,परम्परा □□ □□□□
- भातेन्दुयुगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, शुक्लयुगीन आलोचना
- हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
  □□. हजारीप्रसाद द्विवेदी,
  □□.नन्ददुलारे वाजपेयी,
  □□. रामविलास शर्मा,
  □□□□□ □□□,□□. नगेन्द्र

❖ **सहायक ग्रंथ:**

1. हिन्दी आलोचना के वैचारिक सरोकार -- डॉ कृष्णदत्त पालीवाल
2. आस्था के चरण - नगेन्द्र
3. □□□□□ □□ □□□□□ – देवीशंकर अवस्थी
4. हिन्दीआलोचना शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी
5. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिन्दीआलोचना का विकास – मधुरे□□
7. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्द □□□□ □□□

CC – 10: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान **Credits - 06**

CC – 10: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान **Credits - 06**

Course Contents:

- □□□: परिभाषा, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ□
- □□□ □□ □□□
- हिन्दी भाषा की विविध बोलियाँ
- हिन्दी का मानकीकरण
- ध्वनि : परिभाषा और हिन्दी स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

- वाक्य : परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व और संरचना के आधार पर वर्गीकरण।
- अर्थ : परिभाषा,अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ|
- [illegible], देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उद[illegible]
2. [illegible] – रामविलास शर्मा
3. भाषा विज्ञान – [illegible]
4. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. हिन्दी भाषा –डॉ. [illegible]

CC –11: भारतीय काव्यशास् **Credits - 06**

C-11T: भारतीय काव्यशास्त्र **Credits - 06**

Course Contents:

भारतीय काव्यशास्

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का सामान्य परिचय
- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्र[illegible]
- रस सिद्धांत : र[illegible] का स्वरूप और भे , [illegible] निष्पत्ति और साधारणीकरण|
- ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि के भेद
- अलंकार सिंद्धांत: परिभाषा, लक्षण, [illegible]
- रीति सिद्धांत: रीति का अर्थ, [illegible]
- वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद
- औचित्य सिद्धांत : औचित्य की अवधारणा

❖ **सहायक ग्रंथ**

1. काव्य दर्पण – रामदहिन मिश्र
2. [illegible] – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. रस सिद्धांत – नगेन्द्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र : [illegible] – सत्यदेव चौधरी
5. [illegible] कव्यशास् – भगीरथ मिश्र

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

CC –12: पाश्चात्य काव्यशार **Credits - 06**

C-12T: पाश्चात्य काव्यशास्त्र **Credits - 06**

Course Contents:

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो : काव्य संबंधी अवधारणाएँ
- अरस्तू : □□□□ □□□□ □□□□□□, □□□चन संबंधी सिद्धांत
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत ।
- वर्ड्सवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धांत।
- क्रोचे : अभिव्यंज□□□□ ।
- □□. □□. □□□□ : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
- □□.□.रिचडर्स : संप्रेषण सिद्धांत।
- वाद और सिद्धांत : स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, उत्तरआधुनिकता।
- कल्पना, बिम्ब और फैंटे□□ ।

❖ **सहायक ग्रंथ**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ शांति स्वरूप गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – निर्मला जैन
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - इति□□□ , सिद्धांत और वाद - डॉ भागीरथ मिश्र

CC-13: मीडिया के विविध आयाम **Credits - 06**

C-13T: मीडिया के विविध आयाम **Credits - 06**

Course Contents:

- □□□□□ □□□□□□ □□□□□ : स्वाधीनता पूर्व और स्वाधीनता के बाद का मीडिया
- मीडिया के विविध रूप और उनकी उपयोगिता

(□)प्रिन्ट मीडिया

(□)इलैट्रॉनिक मीडिया : टेली□□□□, रेडियो और फिल्में।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

- न्यूमीडिया : अभिप्राय, विविध रूप, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव।
- मीडिया लेखन के सृजनात्मक आयाम : स□□□□ □□□, संपादकीय लेखन, फीचर लेखन।
- मीडिया और हिन्दी भाषा : समाचार पत्रों की भाषा, टेलीविजन की भाषा, रेडियो की भाषा, सोशल मीडिया की भाषा ।
- विज्ञापन : स्वरूप, उदेश्य और महत्व।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार - डॉ. □□□ कुलश्रेष्
2. जनसंचार माध्यम : □□□□ □□□□ - बृजमोहन गुप्त
3. जनमाध्यम - सम्प्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर
4. हिन्दी पत्रकारिकता - कल □□ □□ - □□□□□□□□
5. पत्र सम्पादन कला - नन्द किशोर त्रिखा

CC–14: प्रयोजनमूलक हिन्दी **Credits - 06**

C-14T: प्रयोजनमूलक हिन्दी **Credits - 06**

Course Contents:

- प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और संभावनाएँ
  (□) प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय एवं विशेषताएँ
  (□) प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं साहित्यिक हिन्दी में अंतर
  (□) रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की सभावनाएँ
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति एवं क्षेत्र
  (□) कार्याकाली हिन्दी
  (□) तकनीकी हिन्दी
  (□) व्यावसायिक हिन्दी
  (□) संचार माध्यम हिन्दी
- कंप्यूटर की हिन्दी
- पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ एवं स्वरूप, 100 पारिभाषिक शब्दावली
- पत्र लेखन : सरकारी पत्राचार, अर्द्ध सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-ले□□ □
- जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन : जनसंचार की परिभाषा, समाचार की परिभाषा
- □□□□ : अनुवाद के प्रकार, कार्याल□□ अनुवाद की समस्याएँ।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाश नाथ पाण्डेय
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग – दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – वि[illegible]
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रवीद्रनाथ श्रीवास्तव
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी – वि[illegible]
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप – [illegible] राजेन्द्र मिश्र
7. राजभाषा हिन्दी – कैलाश चन्द्र भाटिया
8. [illegible] – [illegible]. [illegible]. विश्वनाथ अय्यर

Discipline Specific Elective (DSE)

DSE – 1 : लोक साहित्य **Credits - 06**

DSE –1T : लोक साहित्य **Credits - 06**

Course Contents:

- [illegible] साहित्य : परिभाषा और स्वरूप
- लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, पद्धतियाँ, समस्याएँ और समाधान
- लोक साहित्य के लोक तत्व
- लोककथा का स्वरूप और महत्व
- लोक गीत का स्वरूप और महत्व
- [illegible] : नौटंकी, कीर्तनियाँ, राम[illegible], स्वांग, [illegible], यक्षगान, यात्रा आदि।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद – बद्रीनारायण
2. लोक साहित्य और लोक संस्कृति – डॉ रामनिवास शर्मा
3. भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा
4. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ कृष्णदेव उपध्याय
5. लोक सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ श्रीराम शर्मा
6. लोक साहित्य का अध्ययन – [illegible]
7. भारतीय लोक विश्वास – डॉ कृष्णदेव उपध्याय

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

DSE –2: राष्ट्रीय चेतना की कविता **Credits - 06**

DSE –2T: राष्ट्रीय चेतना की कविता **Credits - 06**

Course Contents:

- राष्ट्रीय चेतना : परिभाषा और स्वरूप
- राष्ट्रीय चेतना की कविता का तात्विक विवेचन
- राष्ट्रीय चेतना की कविता में देश प्रेम के विविध आयाम
- हिन्दी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास
- हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि : भातेन्दु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्या सिंह उपाध्याय'हरिऔध' , सुभद्रा कुमारी चौहान, रामनरेश त्रिपाठी, जयशंकर प्रसाद आदि।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. □□□ □□□□–मैथिलीशरण गुप्त, प्रभाकर श्रेत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
3. भातेन्दु हरिश्चंद्र - रामविलास शर्मा
4. □□, प्रसाद और मैथलीशरण गुप्त - □□□□□ □□□□□□
5. हरिऔध और उनका साहित्य - मुकुंद देव शर्मा
6. राष्ट्रीय नवजागरण और भारतीय साहित्य - वीर भ□□ □□□□

DSE-3: राजभाषा हिन्दी **Credits - 06**

DSE-3T: राजभाषा हिन्दी **Credits - 06**

Course Contents:

- हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोल□, □□□□, □□□□□□, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा आदि।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 □□345 में हिन्दी की स्थिति
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 349 □□351 में हिन्दी की स्थिति और प्रयोग व्यवस्था
- हिन्दी के संपर्क में राष्ट्रपति के आदेशों की समीक्षा
- वर्तमान समय में राजभाषा हिन्दी की स्थिति और अपेक्षा

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. राजभाषा हिन्दी : विवेचन और प्रयुक्ति - किशोर गोस्वामी
2. राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास - उदयन[illegible]
3. मानक हिन्दी का स्वरूप - [illegible]
4. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी - कैलाशचद्र भाटिया
5. कार्यालयी हिन्दी - विज[illegible]

DSE – 4: प्रवासी साहित्य **Credits - 06**

DSE-4T: प्रवासी साहित्य **Credits - 06**

Course Contents:

- प्रवासी साहित्य : सामान्य परिचय, प्रवासी साहित्यकारों का हिन्दी साहित्य के विकास में [illegible]
- **उपन्यास**
  - (?) अभिमन्यु अ[illegible] : [illegible]
  - (?) [illegible] : [illegible]
- **कहानियाँ**
  - (?) तेजेन्द्र शर्मा : [illegible]
  - (?) [illegible]: [illegible]
  - (?) सुधा ओम ढींगरा : [illegible]
  - (?) पूर्णिमा बर्मन : यों ही चलते हुए
  - (?) अनिल प्रभा कुमार : बेमौसम की बर्फ

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी का प्रवासी साहित्य –डॉ.कमाल [illegible]
2. प्रवासी साहित्य - महेन्द्र दवेसर दीपक
3. वैश्विक रचनाकार: कुछ मूलभूत जिज्ञासाएँ -सुधाओम ढींगरा
4. प्रवासी कथा विशेषांक - [illegible]
5. गर्भनाल – प्रवासी भारतीयों की ई- मासिक ई पत्रिका
6. प्रवासीहिन्दी लेखन की पृष्ठभूमि और उसका स्वरूप –डॉ. कृष्ण कुमार(वर्तमान साहित्य का प्रवासी [illegible]) [illegible]-[illegible], 2006)

Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC –1: अनुवाद कौशल **Credits - 02**

SEC –1T: अनुवाद कौशल **Credits - 02**

Course Contents:

- □□□□ का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र
- भाषाशिक्षण और अनुवाद
- अनुवाद की प्रयोजनीयता
- अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण : विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – □□ □□□□ □□□□
2. □□□□□ □□□ – □□.□. विश्वनाथ अय्यर
3. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग – जी.गो□□□□□□
4. अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और समस्याएँ – सं.नगेन्द्र
5. अनुवाद प्रक्रिया – री□□ □□□ □□□□□□
6. □□□□□ : सिद्धान्त और समस्याएँ – रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव , कृष्णकुमार गोस्वामी

SEC - 2: कार्यालयी हिन्दी **Credits – 02**

SEC-2T: कार्यालयी हिन्दी **Credits – 02**

Course Contents:

- कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप
- कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र
- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप
- कार्यालयी हिन्दी की समस्याएँ
- कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय

Generic Elective (GE)

(Interdisciplinary for other Department)

GE-1 : साहित्य और सिनेमा **Credits - 06**

GE-1T : साहित्य और सिनेमा **Credits - 06**

Course Contents:

- साहित्य का अर्थ और क्षेत्र
- साहित्य की विधाएँ : कहानी, उपन्यास और नाटक आदि।
- साहित्य के उपकरण : शिल्प और संवेदना
- हिन्दी सिनेमा का इतिहास
- हिन्दी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक साहित्यिक कृतियों का उपयोग
- साहित्य और सिनेमा अंतसबंध
- साहित्य और सिनेमा में समानता एवं अंतर
- फिल्म समीक्षा : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], श्री इडियट, मुन्ना भाई एम.[illegible]

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. [illegible] साहित्य- ह[illegible]
2. '[illegible]' पत्रिका - फिल्म विशेषांक
3. सिनेमा और संस्कृति - राही [illegible]
4. जनमाध्यम सैद्धांतिकी - जगदीश्वर चतुर्वेदी

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf

GE-2: लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी **Credits - 06**

GE-2T: लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी **Credits - 06**

Course Contents:

- भारतीय संस्कृति : अ□□□□□
- लोक का अर्थ, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
- □□□ □□□□, लोक रंगमंच एवं आभिजात्य या भाषायी रंगमंच का स्वरूप
- हिन्दी क्षेत्र के लोकनाट्य रूप
  (□) धार्मिक लोक नाट्य : राम□□□□, □□□□□□
  (□) □□□□□□□ □□□ □□□□: नौटंकी, □□□, □□□, □□□□, ख्याल, स्वांग आदि।
- भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति के निर्माण में लोकनाट्यों की भूमिका।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी नाट्य उद्भव और विकास - दशरथ □□□
2. पारंपरिक नाट्य - जगदीश चंद्र माथुर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
3. □□□ □□□□□□□□□ - श्याम परमार
4. लोक नाट्य पम्परा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेंद्र भानावत
5. □□□ : □□□□, पहचान एवं प्रवाह - श्याम सुन्दर दुबे
6. नाट्यकाव्यलोचन के सिद्धांत - सिद्धनाथ कुमार
7. नाट्यशास्त्र और रंगमंच - □□□□□□□ □□□□□
8. संस्कृति के चार अध्याय –र□□□□□ □□□□□□□

GE-3: सृजनात्मक लेखन **Credits - 06**

GE-3T: सृजनात्मक लेखन **Credits - 06**

Course Contents:

- सृजनात्मकता का अर्थ और परिभाषा
- सृजनात्मक लेखन का अर्थ, परिभाषा व स्वरू
- सृजनात्मक लेखन के तत्व

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

- सृजनात्मक लेखन के विविध रूप : क□□□□, □□□□□, □□□□, □□□□□□□□□, फिल्म संवाद, कार्टून, संस्मरण, रेखाचित्र आदि।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. रचनात्मक लेखन - □□. □□□□□□□
2. रचनात्मक लेखन - □□□□ □□□□□, □□□□ □□□□ □□□□
3. सृजनात्मक लेखन - राजेन्द्र मिश्र
4. संचार भाषा हिन्दी - सूर्यप्रसाद दीक्षित

GE- 4: पटकथा और संवाद लेखन **Credits - 06**

GE- 4T: पटकथा और संवाद लेखन **Credits - 06**

Course Contents:

- पटकथा का अर्थ और परिभाषा, पटकथा लेखन में प्रतिभा, कल्पना और अभ्यास / परिश्रम का महत्व
- □□□ □□ □□□□□ □□ □□□
- संवाद का अर्थ और पथकथा से संवाद का संबंध।
- पटकथा लेखन का स्वरूप : प्रस्थान बिन्दु अर्थात् प्रस्तावना, संघर्ष और समाधान।
- □□□□□ □□□-सूत्र अर्थात प्रारंभ, मध्यभाग और अंत।
- □□□□□ □□फिल्मांकन की □□□□□
- □□□□□ : संवाद और संगीत ध्वनि का अंत□:□□□□

❖ **सहायक ग्रंथ:**

1. □□□□□ □□□ - मनोहर श्याम जोशी
2. पटकथा कैसे लिखें - राजेन्द्र पाण्डेय
3. □□□ □□□□□ - मन्नू भंडारी

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17, Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

AECC - MIL

MIL (HINDI): हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण **Credits - 02**

Course Contents:

- हिंदी व्याकर[illegible] – संज्ञा, सर्वनाम, [illegible], क्रिया एवं अव्यय का परिचय।
- उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, पल्लव[illegible] संक्षेपण।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व।
- संप्रेषण के प्रकार।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी व्याकरण – कमाताप्रसाद गुरु
2. हिन्दी शब्दानुशासन – कि[illegible]
3. हिन्दी व्याकरण –एन. [illegible]
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
5. [illegible] हिन्दी – बद्रीनाथ कपूर
6. हिन्दी मुहावरे – श्री ब्रहमस्वरूप दिनकर शर्मा

*****

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.17 on 18 Apr 2026 23:24:22 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
Downloaded from Vidyasagar University by 152.58.182.110 on 13 Sep 2025 : 07:17:17; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_2022_23/BA_Honours/BAHons_Hindi.pdf
https://www.vidyasagar.ac.in/api/website/DownloadDocument?downloadId=648&preview=True